

ग्रमाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--- लण्ड 3--- उपलब्ह (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं २ 211] नई दिस्ली, सोमवार, नवम्बर 29, 1971/श्रग्रहायरा 8, 1893

No. 211] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 29, 1971/AGRAHAYANA 8, 1893

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह झलग संकसन के कप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (VIDHI AUR NYAYA MANTRALAYA)

(Legislative Department)

(Vidhi Vibhag)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th November 1971

G.S.R. 1787.—The following Order made by the President is published for general information:—

C.O. 91

THE CONSTITUTION (APPLICATION TO JAMMU AND KASHMIR) THIRD AMENDMENT ORDER, 1971

In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 370 of the Constitution, the President, with the concurrence of the Government of the State of Jammu and Kashmir, is pleased to make the following Order:—

- 1. (1) This Order may be called the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Third Amendment Order, 1971.
 - (2) It shall come into force at once-
- 2. In paragraph 2 of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954.—
 - (1) in the opening portion, for the words, figures and brackets "and section 5 of the Constitution (Twenty-third Amendment), Act, 1969", the

words, figures and brackets ", section 5 of the Constitution (Twenty-third Amendment) Act, 1969 and the Constitution (Twenty-fourth Amendment) Act, 1971" shall be substituted;

(2) in sub-paragraph (15) (relating to Part XX), for the words and figures "To article 368", the words, brackets and figures "To clause (2) of article 368" shall be substituted.

V. V. GIRI, President.

NO. P. NAMBOODIRIPAD. Jt. Secv.

विधि ग्रीर श्यय मंत्रासय

(विवासी विभाग)

म्रधि सूचना

मर्फ दिस्ली, 29 नवस्बर, 1971

सरः काः निः 1787.—राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्नलिखित आदेश नर्वसाद्वारण की आमकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है .

सा**॰ ग्रा•** 91

संविधान (अम्मू भौर बदमीएको लागु होना) तृतदेय सेकोधन आहेल, 1971

राष्ट्रपति, संविधान के अनुष्छेद 370 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त वाक्तियों का प्रयोग करते हुन्, अस्म श्रीर कश्मीर राज्य सरकार की सहमति से, निम्निक्ति श्रादेश करते है .---

- (1) इस आदेश का नाम संविधान (जम्मू और कश्मीर को जागू होना) तृशीय संखोधन आवेख, 1971 होगा ।
 - (2) यह भूरन्त प्रवृत्त होना ।
 - मंबिधान (जम्मू भीर कश्मीर को लागू होना) ग्रावैस, 1954 के पैरा 2 में,---
 - (1) धारस्थिक भाग में, "श्रीर संविधान (तेईसवां संगोधन) श्राधिनियम, 1969 की धारा 5" गब्दों, कोष्ठकों श्रीर प्रकों के स्थान पर, "सविधान (तेईसवां संगोधन) श्रधिनियम, 1969 की धारा 5 श्रीर संविधान (चीबीसवा संगोधन) श्रधिनियम, 1971" गब्द, कोष्ठक श्रीर श्रंक प्रतिस्थापित किए आएंगे;
 - (2) उप पॅरा (15) (जो भाग 20 से संबंधित हैं) में, "धनुच्छेद 368 में" शब्दी छीर धारों के स्थान पर, "धनुच्छेद 368 के खण्ड (2) में" बाब्द, प्रक और कोध्ठक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

र्वी० बी० गिरि, शष्ट्रपति ।

[स॰ फा॰ 19(5)/71 विश्वामी सनुभाग-1] एन॰ डी॰ पी॰ नम्बुदिरीपाद, संयुक्त सन्ध्वि ।